

तीज सुखकारी ( १५१ )

झूला झुलावे आज सखी साईं का झूला झुलावे॥

वृन्दावन में फूली फुलवाड़ी सांवण

सुहाई तीज आई सुखकारी

मौज मचाई मौज मचाई बांकल बिहारी मौज मचावे॥

सत्संग सभा जणु सरसरि धारा नाम धुनी युमुना जा  
फुहारा

उमंग वधाए उमंग वधाए सरसुती माई उमंग वधाए॥

युगल धणी को साईं झुलावे मधुर मल्हार के गीत सुनावे

युगल मिलावे युगल मिलावे सुख साज सजाए युगल

मिलावे॥

देख सखी बनी अजबु झांकी साईं झूलत है गोद मैया  
की

लाद लदाए लाद लदाए सुखदेवी मैया लाद लदाए॥

गद गद गरीबि अमां आशीशूं उचारे

चंवर झुलावे आरती उतारे

घोर घुमाए घोर घुमाए जानिब तां जिन्दुड़ी घोर घुमाए॥

देव मण्डल मिलि फूल बरसावें मैगसि मैया जी जै जै  
मनावें

नाचें ओ गावें नाचें ओ गावें दुंदभी बजाके नाचें ओ  
गावें॥

श्रीउड़िया बाबा साई मिलके झूलें श्री आखण्डानंद हर्ष  
में फूलें

दान लुटाए दान लुटाए वचन विलास का दान लुटाए॥

दासों की दिल मोदभरी है सकल सुक्रतों की बेलि फरी  
है

खगी लगाई खगी लगाई खांवद खुशी की खगी लगाई॥

नीह में नाचें नर अरु नारी गद गद हो के बजावत ताड़ी  
नामु जपाई नामु जपाई नीचों से नाथ नाम जपाई॥

कोट चंद्र की चांदनी छाई रतन जड़ित झूला सुखदाई  
रास रचाई रास रचाई सन्तनि सां थो रास रचाई॥